सच्ची कलीसिया की खोज

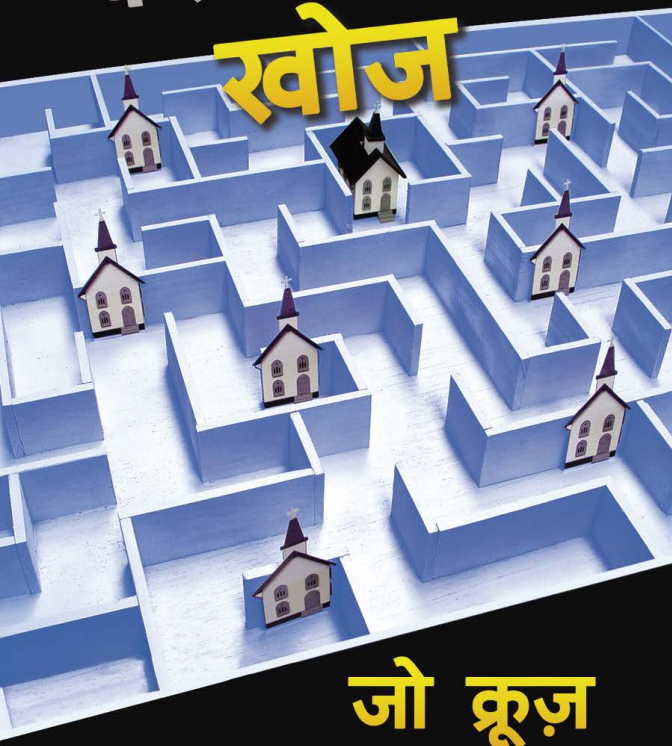

जो क्रूज़

Copyright © 2013, 2020
by Lu Ann Crews

All rights reserved.
Printed in India.

Published by:
Amazing Facts India
Post Box No 51
Banjara Hills, Hyderabad
Telangana, 500034

www.AmazingFactsIndia.org

सच्ची कलीसिया की खोज

० जो क्रूज़ ०

1. खोज 2
2. स्त्री कलीसिया का प्रतीक है 4
3. कलीसिया का उत्पीड़न 7
4. सच्ची कलीसिया के तीन निशान 11
5. चौथी पहचान की विशेषता 16
6. अधिकांश कलीसियायें बाइबल की परीक्षा में असफल हो जाती हैं 21
7. भविष्यवाणी की आत्मायें 23
8. भविष्यवक्ता कलीसिया से गायब क्यों हुये? 28
9. क्या कोई भी कलीसिया चार परीक्षणों को पूरा करती है? 37

अध्याय-1
खोज

क्या आज विश्वास में सच्ची कलीसिया है? यदि है तो इसे कैसे पहचाना जा सकता है?

आधुनिक सत्य-साधक के सामने आने वाले सभी धार्मिक प्रश्नों में, यह निश्चित रूप से सबसे अधिक मांग है और सबसे अधिक निराशा जनक भी है। हर तिमाही में विरोधीभाषी आवाजें घोषित करती हैं कि उनके पास इसका जबाव है। अलग-अलग बाइबल ग्रंथों की भावनात्मक व्याख्याओं के आधार पर विमुद्रीकरण, संप्रदाय और पन्थ स्पष्ट दावे करते हैं।

औसत मसीहों को आज इन अंतिरंजित द्वारा पूरी तरह से बन्द कर दिया है और कई ने इस संभावना को भी छूट दी है कि कोई भी ''सच्ची कलीसिया'' वास्तव में मौजूद हो सकती है। अन्य लोगों ने उन मानदण्डों पर सवाल उठाया है जिनके द्वारा किसी भी कलीसिया को दूसरे की तुलना में ''सच्चाई के रूप में परीक्षण और मूल्यांकन''किया जा सकता है।

यह पहचानना बहुत महत्वपूर्ण है कि कोई भी कलीसिया श्रेष्ठ साबित नहीं हो सकती, क्योंकि उसके सदस्य बिना पाप के है। लोग हैं और सभी मानव प्रकृति के समान कमजोरियों के अधीन है। फिर भी, यह सच है कि प्रत्येक मसीही को उन कमजोरियों पर काबू पाने के लिये ईश्वर, के समान शक्तिशाली शक्ति तर्क तक पहुँच है। इसलिये, कोई भी कलीसिया के लिये व्यक्तियों का

आवश्यक होना जरूरी है, जो अलग-अलग पवित्रीकरण पर है-गेंहूँ,और काँटे को एक साथ रखा गया है, और कोई भी कलीसिया पूरी तरह से पूर्ण लोगों से बनी नहीं है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या कलीसिया की पहचान करने का कोई वैध तरीका है जो सच्चाई के बाइबल मानकों के करीब है? कुछ लोगों का मानना है कि संगठन का विशिष्ट नाम इसे सही रूप में अलग करेगा, यह कोई सटीक परीक्षण नहीं हो सकता है, क्योकि नाम की पंसद से उस चर्च की आध्यात्मिक प्रकृति के बारे में कुछ भी नहीं पता चलेगा- इस तरह के उथले दावे केवल बुद्धिमानों को हतोत्साहित करने का काम करते है, सत्य के बाद खोजकर्ता।

यह सभी के लिये स्पष्ट होना चाहिये कि अगर आज दुनिया में ईश्वर, की एक विशेष कलीसिया है, तो वह इसे स्पष्ट रूप से अपने पवित्र शब्द में प्रकट करेंगे। जानकारी को भाषा में होना चाहिये जो मानव तर्क के लिये अपील करेगी और इसमें केवल अस्पष्ट सामान्यताओं या अंतदृष्टि से अधिक होना है।

आप जो पढ़ने वाले है, उसके लिये मैं कोई भी दावा करने से हिचकिचाता नही हूँ, हालांकि मैं यह अच्छी तरह से जानता हूँ कि यह आपकी जिन्दगी हो सकती है। इसे निम्न प्रकार से पूरे गैरनजर या हल्के से न पढ़े। मैं केवल यह कहता हूँ कि आप इसको प्रार्थना पूर्वक और खुले दिमाग से अध्ययन करें। फिर उस पर विचार करें। धर्मग्रन्थों का आधार और आपका अपना आध्यात्मिक विश्वास यदि यह सत्य है, तो पवित्र आत्मा, स्त्री कलीसिया को

जाहिर करती है और कलीसिया का मार्गदर्शन भी करती है जिससे आपकी खुशी में पहचान होती है। मेरी व्यक्तिगत भावना यह है कि आप इस अनुभव को परमेश्वर के वचन में सबसे रोमांचक साहसिक कार्य पायेंगे।

और सत्य की हमारी खोज प्रकाशितवाक्य के बारहवें अध्याय पर केन्द्रित होगी । सीमित समय और स्थान एक सम्पूर्ण अध्ययन की अनुमति नहीं देता है, लेकिन दो सिद्धान्त दिये जायेंगे-प्राथमिकता सटीकता और सरलता। इतिहास के बारह सौ वर्षो में बाइबल में सबसे परिचित प्रतीकों को निपटाया जाना चाहिये। केवल संक्षेप के साथ हम दोनो चरमोत्कर्ष का अनुसरण करते हैं। पौलुस ने भविष्यवाणी के ऐतिहासिक भाग को लिखा मेरी, पुस्तक में, ''पशु, शैतान और स्त्री'' प्रदान किया गया है।

अध्याय-2
स्त्री कलीसिया की प्रतीक है

प्रकाशितवाक्य 12 मूल रूप से एक सुन्दर, सूरज पहने स्त्री और उसके वंश का कथात्मक खाता है। ''और स्वर्ग में एक महान आश्चर्य प्रकट हुआ, एक स्त्री ने सूरज कपड़े पहने, और उसके पैरों के नीचे चन्द्रमा, और उसके सिर पर बारह सितारों का मुकुट था' (प्रकाशितवाक्य 12:1)।

यहाँ हम बाइबल के सबसे परिचित प्रतीकों में से एक से परिचित है। पुराने और नये नियम दोनो में परमेश्वर एक स्त्री

द्वारा अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। दूल्हें के रूप में, वह कलीसिया से शादी कर रहा है। पौलुस ने कुरिन्थियों को लिखा, ''मैं ने तुम्हें एक पति के प्रतिनिष्ठावादी है, कि मैं तुम्हें मसीह के लिये एक पवित्र कुंवारी के रूप में प्रस्तुत कर सकूं'' (2 कुरिन्थियों 11:2)।

बाइबल के माध्यम से हम इस प्रतीकवाद के रिकॉर्ड का पालन कर सकते हैं। ईश्वर, ने पुराने नियम में कहा, ''मैंने बेटी की तुलना की है। ''एक अच्छी और नाजुक महिला के लिये सिय्योन'' (यिर्मयाह 6:2) और फिर ''सिय्योन से कहा, मेरे लोगों की कला समझो (यशायाह 3:16) कलीसिया को सिय्योन कहा जाता है और ईश्वर, इसकी तुलना एक सुन्दर स्त्री से करते है। पुराने नियम में, इज़राइली चुने हुये लोग थे, जिसे अक्सर ईश्वर, के रूप में चित्रित्र किया गया था।

नये नियम में, परमेश्वर का सच्चा इज़राइल अब एक राष्ट्र नहीं बल्कि यहूदियों और अन्य जातियों से बनी एक कलीसिया है जो मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में प्राप्त करते है, प्रकाशितवाक्य 12 की महिला ने मसीह के समय कलीसिया की तस्वीर, कहानी पर प्रकाश डाला। धूप के कपड़े, अनुग्रह की शानदार,नई वाचा को समय पर करते है, और बारह सितारे,बारह प्रेरितों का प्रतिनिधित्व करते है। उसके पैरों के नीचे का चांद, परमेश्वर की सच्चे मेमने की उपस्थिति में पुरानी वाचा की महिमा को अंगित करता है।

अब शुरू, होता है रोमांचकारी हिस्सा। हम अपने प्रभु यीशु की उस सच्ची कलीसिया के भविष्य का खुलासा करने जा रहे है। अगले छंदयुगों के माध्यम से सत्य के पाठ्यक्रम को स्पष्ट रूप से चित्रित किया गया। हम जानना चाहते हैं कि उस स्त्री को आज कहाँ पाया जा सकता है। भविष्यवाणी के एक चरण को याद न करें, क्योंकि हम वर्तमान समय के लिये सही कलीसिया के निहितार्थो का पता लगाते हैं।

पहली चीज जो हम खोजते हैं वह यह है कि स्त्री बच्चे को देने वाली है। और वह बच्चे के जन्मदेने वाली थी और प्रसव के लिये तड़प रही थी, और स्वर्ग में एक और आश्चर्य प्रकट हुआ, और एक महान लाल अजगर दिखाई दिया, जिसके सात सिर और दस सींग थे और उसके सिर पर सात मुकुट थे। और अजगर उस महिला के सामने खड़ा हो गया, जो अपने बच्चे को जन्म देने के लिये तैयार थी, और उसने एक बच्चे को जन्म दिया, जो लौहे की एक छड़ के साथ सभी देशों, पर शासन करने वाला था, और वो बच्चा परमेश्वर और उसके सिंहासन तक पहुँच गया। (प्रकाशितवाक्य 12:2-5)

यह कौन व्यक्ति है, मनुष्य का बच्चा जिसे सभी राज्यों पर शासन करना है और आकाश की ओर गया? केवल एक व्यक्ति इस विवरण को पूरा कर सकता है- यीशु मसीह और अजगर किसका प्रतिनिधित्व करता है, जिसने उसके जन्म के समय मसीह को मारने की कोशिश की थी? यह रोम का प्रतिनिधि हेरोदेस था जिसने दो साल के सभी शिशुओं का वध करने का आदेश दिया

था। आमतौर पर पशु को शैतान के प्रतीक के रूप में उपयोग किया जाता है लेकिन इस मामले में, शैतान यीशु को मारने के लिये रोमन शक्ति के साथ मिलकर काम कर रहा था कि पशु भी रोम का प्रतीक है।

यीशुहेरोदेस के शैतानी फरमान से कैसे बच गया? युसुफ और मरीयम को एक सपने में खतरे की चेतावानी दी गयी और वो शिशु के साथ मिस्र भाग गये। बाद में अत्याचारी की मृत्यु के बाद, वे लौट आये और नासरत शहर में बस गये।

भले ही शैतान को, यीशु मारने के लिये अपने प्रारम्भिक साजिश में नाकाम कर दिया गया था,लेकिन उसने अपना उद्देष्य नहीं छोड़ा। बार-बार उसने जान लेने की कोशिश की यीशु को आखिरकार, उसने एक मुकदमें के उस उपहास में लाने में कामयाबी हासिल की जहाँ उसे यातनायें दी गई, सताया गया, और दफनाया गया। लेकिन कब्र में परमेश्वर का पुत्र नहीं रह सकता था और तीसरे दिन वह कब्र से बाहर निकल आया। बाद में वह स्वर्ग में अपने पिता के पास चला गया।

अध्याय-3
कलीसिया का उत्पीड़न

यीशु तक सीधी पहुँच न होने के कारण पशु ने, अब अपने अनुयायियों के प्रति अपना क्रोध बदल दिया, यीशु की, कलीसिया ''और पशु ने देखा कि वह पृथ्वी पर गिर गया तो उसने

उस स्त्री को सताया, जो आगे चलकर बच्चे को जन्म देती है।" (प्रकाशितवाक्य 12:3)

ये शब्द हिंसा के आतंक का केवल एक छोटा सा संकेत प्रदान करते है जो प्रेरित कलीसिया के खिलाफ टूट गया। व्यावहारिक रूप से सभी प्रारम्भिक शिष्य और कलीसिया के नेता अपने विश्वास के लिये शहीद हो गये थे। क्रूर बुतपरस्तों ने सच्चे सुसमाचार का पालन करने के बवालों के लिये खेल के मैदानों और कॉलिजियम को मौत के सिनेमाघरों में बदल दिया।

जल्द ही बुतपरस्त रोम को पेपल रोम उपज और उत्पीड़न को अधिक से अधिक बल के साथ जारी रखा गया लाखों लोगों की मृत्यु उस भयानक जिज्ञासा के तहत हुई जिसने पेपल व्यवस्था के सभी विरोधियों को मिटाने की मांग की थी। इतिहासकारों का अनुमान है कि अंधेरेकाल (डार्क ऐजेंस) पचास लाख लोगों ने अपने प्रोटेस्टेन्ट विश्वास को उपजाने के बजाय अपना जीवन दांव पर लगा दिया।

आइये हमारी भविष्य की रूपरेखा में दुखद कहानी का अनुसरण को प्रकाशिवाक्य 12:4 मे हम पढ़े कि वह हमें क्या बताता है। असली कलीसिया ने एक चरमोत्कर्ष के लिये बनाये गये जुल्म के दबाब के रूप में क्या किया, "और स्त्री को एक महान चील के दो पंख दिये गये, ताकि वो जंगल में उड़ जाये, जहाँ वह समय एक समय और आधा समय के लिये पोषित रहे।" और काला सर्प अदृष्य रहे।

विलुप्त होने से बचने के लिये, वफादार प्रोटेस्टेन्ट शरणार्थी वापस अल्पलाइन पहाड़ों और घाटियों में भाग गये, जो यीशु द्वारा दिये गये सच्चे सिद्धान्त पर आधारित है। अधिनियमों की एक और पुस्तक वालडेनसिज़, हुगुंएटस और अल्बिगन्स की वीरता के बारे में लिखी जा सकती है, जिन्होंने उन सदियों के भयंकर उत्पीड़न के दौरान अपने विश्वास को आत्मसमर्पण करने से इन्कार कर दिया। ईश्वर, ने उनके लिये लड़ाई लड़ी और कभी-कभी रोम को पीछा करने वाली सेनाओं को रहस्यमय हिमस्खलन और रॉकस्लाइट से काट दिया गया। अन्य समय में पहाड़ की धाराओं को उन वफादार लोगों के खून से लाल कर दिया गया जिन्होंने अपने जीवन के साथ सच्चाई के प्रति समर्पण को सील कर दिया था। प्रकाशितवाक्य की भविष्यवाणी उन अल्पसंख्यक मसीहों को खत्म करने के लिये दिये गये हताश प्रयासों का एक प्रतीकात्मक चित्र दिखाती है जो अपने आस्तित्व के लिये छिप रहे थे, ''और सांप ने उस स्त्री के पीछे अपने मुँह से नदी की नाई पानी बहाया, कि उसे इस नदी से बहा दे'' (प्रकाशितवाक्य 12:15)।

जगंल में दृष्टि से बाहर रहने के लिये सच्ची कलीसिया कब तक थी। भविष्यवाणी बताती है कि यह ''एक समय, समयों और आधा समय'' के लिये होगा। कितना रहस्यमय इसमें शामिल समय के इस अजीब वर्णन से क्या अभिप्राय है? यह कब खत्म होगा? उत्तर छंद 6 में पाया गया है, ''और वो स्त्री जंगल में भाग गयी, जहाँ वह ईश्वर, के द्वारा तैयार एक जगह पर चली गयी कि वे उसे एक हजार दो सौ साठ दिनों के लिये पोषित कर सकें।

अब चित्र को स्पष्ट करना शुरू, होता है, कहते है कि स्त्री 1260 दिनों के लिये जंगल में थी और दूसरा पद कहता है कि वह ''समय, समयों और आधा समय'' के लिये थी। ये समय अवधि समान है। इसका मतलब है कि भविष्यवाणी प्रतीकात्मक में एक ''समय'' दो वर्ष है, और ''आधा समय'' आधा वर्ष है। जब हम एक, दो और आधे को जोड़ते है तो हमें साढ़े तीन साल मिलते है। और यह बिल्कुल 1260 दिनों के बराबर है, महीने के 30 दिनों की बाइबल का उपयोग करते हुये।

यहाँ पर ध्यान देने के लिये भविष्यवाणी व्याख्या की एक और सिद्धान्त की कुंजी यहेजकेल 4:6 में एक वर्ष के दिन के बराबर हैं नियुक्त करेगे।'' इसे नीचे बताया गया है। इन शब्दों में कही और चालीस दिन, प्रत्येक दिन एक वर्ष के समान (गिनती 14:34)।

कृपया ध्यान दे कि यह केवल प्रतीकात्मक भविष्यवाणी पर लागू होता है, और पवित्र शास्त्र के अन्य भागों में नहीं पढ़ा जा सकता है। एक दिन का उपयोग एक वर्ष के लिये केवल एक स्पष्ट भविष्यवाणी संदर्भ की स्थापना में किया जाता है। यह 1260 शाब्दिक वर्षो की पूरी अवधि के लिये स्त्री को जंगल में छिपा देता है।

हमारा निष्कर्ष यह होना चाहिये कि 1260 सालो के अंत तक दुनिया में सच्ची कलीसिया प्रकट नहीं हो सकती है। क्या ईश्वर, के सच्चे लोगों के साथ ऐसा हुआ था। कब तक पोप शक्ति, अपने धर्म-राजनीतिकसत्ता के अभ्यास द्वारा सच्चे सिद्धान्तों को दबाती रहेगी।

यहाँ इतिहास का एक आकर्षक बिन्दु है। ए.डी. 538 में सम्राट जस्टिनियन द्वारा एक डिक्री प्रभावी हुई जिसने रोम की कलीसिया को पूर्ण आध्यात्मिक अधिमान दिया। धीरे-धीरे, यह धार्मिक अत्याचार नागरिक शक्तियों के साथ जुड़ गया, और तब राजाओं को शासन शुरू, कराने से पहले पोप से अनुमति लेने के लिये मजबूर किया गया। यह अधिकार 1798 तक लागू रहा जब यूरोप को फ्रांस की क्रान्ति ने हिला दिया था। विशेषाधिकार प्राप्त पादरियों के खिलाफ उत्पीड़न किसानों के बाद के विद्रोह में, पोप से 1798 में उसके अधिकार को छीन लिया गया। पोप की सम्पत्ति को जब तक रलियागयाथा, और फ्रांसीसी खोज सरकार ने यह फैसला किया कि रोम में कोई भी बिशप नहीं होगा। 538 में उद्घाटन होने के बाद, पोप का निरकुंश शासन बिल्कुल 1260 वर्षो में समाप्त हो गया।

अध्याय-4
सच्ची कलीसिया के तीन निशान

यहाँ हमें सबसे अधिक अवलोकन करने के लिये लाया जाता है, सच्ची कलीसिया दुनिया भर में 1798 संयुक्तराष्ट्र के सामने नहीं आ सकी। उसे 1260 वर्षो के अंत तक छुपकर रहना था, और यह कि ''जंगल'' की अवधि 1798 में समाप्त हो गई। हमारे पास अब सच्ची कलीसिया की पहचान के सबसे अद्भुत निशान में से एक निशान है। यह कुछ भावनात्मक भावना पर

या किसी एक बाइबल पाठ की कुछ तनाव पूर्ण व्याख्या पर आधारित नहीं है। यह एक विशिष्ट समय अवधि के भविष्यवाणी के प्रकाशितवाक्य में निहित है। ऐतिहासिक अभिलेखों के अंकों से सत्यापित। स्त्री (कलीसिया) तब तक अपनी उपस्थिति नहीं बना सकी, जब तक कि पोप विपक्ष को निरोधात्मक शक्तियों को रास्ते से हटा नहीं दिया गया। इस भविष्यवाणी की घटना 1798 में हुई थी, और सच्चाई जो टाट के कपड़े में रची गई थी, अब अस्पष्टता में उभरना शुरू, हुआ, जल्द ही स्त्री के शानदार अवशेष के रूप में प्रकट होने के लिये।

अब हमें स्त्री को एक वास्तविक विवरण के साथ लाना है क्योंकि वह वर्ष 1798 के कुछ समय बाद दुनिया के सामने किस प्रकार आयेगी। और अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ। और उसकी शेष, सन्तान से जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशुकी गवाही देने पर स्थिर है लड़ने को गया। (प्रकाशितवाक्य 12:17)।

यह पाठ पूरी बाइबल में पाया जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण है। कही-कही मूल उदासीन विश्वास के अंतिम दिनों के अवशेष का अधिक संक्षिप्त वर्णन हीं है क्योंकि यह युगों से संरक्षित था। यहाँ वर्तमान समय के लिये सच्ची कलीसिया की वास्तविक मौखिक परिभाषा है। यह इतना महत्वपूर्ण है कि हम पूर्ण अर्थ निकालने के हर शब्द का विशलेषण करने जा रहे हैं। अगर बाइबल में सच्ची कलीसिया की खोज की जा सकती है, तो इसे प्रकट करने के लिये पद होगा।

पशु कौन है? इस बिन्दु पर कोई सवाल नहीं हो सकता है। प्रकाशितवाक्य 12:9 में पशु को ''शैतान कहा जाता है जो पूरी दुनिया को धोखा देता है।''

''क्रोधित था'' इसका क्या मतलब है? ''क्रोध-पुराना अंग्रेजी शब्द है, ''क्रोधित'' इसका सीधा सा मतलब है कि शैतान गुस्से में था। वह किससे नाराज था?'' औरत के साथ ''स्त्री कौन थी? हम पहले ही जान चुके हैं कि वह सच्ची धर्मत्यागी कलीसिया है, जो यीशु के महान, मूल उपदेशों का प्रतिनिधित्व करती है।

और उसके बीज के अवशेष के साथ युद्ध करने गया। ''यहाँ एक नया शब्द चित्र में पेष किया है। शैतान सच्ची कलीसिया के 'अवशेष' के खिलाफ लड़ने जा रहा है। क्या एक अवशेष है? यह कपड़े के एक बोल्ट पर अंतिम टुकड़ा है। यह बिल्कुल पहले की तरह है। टुकड़ा जो बोल्ट से आया था, लेकिन यह बहुत अन्त में होता है और हमेशा एक छोटा टुकड़ा होता है।

यह हमें स्त्री के अवशेष के बारे में क्या बताता है? यह सच्ची कलीसिया का अंतिम भाग है, समय के अन्त में जो ठीक उसी सिद्धान्त को धारण करेगा, जैसा कि प्रारम्भिक प्रेरित कलीसिया में किया था, पर चलिये आगे पढ़ते हैं।

''जो ईश्वर, की आज्ञाओं को मानते है'' इसका क्या संदर्भ होगा। यह पत्थर की तालिकाओं पर ईश्वर, की उंगली से लिखे महान नैतिक कानून को दर्शाता है। दस आज्ञायें ईश्वर, के चरित्र को दर्शाती है, उन सभी प्राणियों के लिये उनकी इच्छा को प्रकट

करती है, और सभी नैतिकता और सच्ची भक्ति के लिये आधार बनाती है।

यहाँ हम सच्ची कलीसिया की पहचान के दूसरे पेचीदा निशान के साथ सामना कर रहे हैं। न केवल यह वर्ष 1798 के बाद कुछ समय के लिये उत्पन्न होना चाहिये, बल्कि परमेश्वर के वचन के अधिकार पर इसे परमेश्वर के सभी दस आज्ञाओं को बनाये रखना होगा। लेकिन अब आइये इस शानदार पद को पूरा पढ़ते हैं ''और यीशु मसीह की गवाही है'' यहाँ सच्चे अवशेष की एक और विशेषता है। न केवल यह अंतिम दिन कलीसिया 1798 के बाद उत्पन्न होगी और सभी दस आज्ञाओं को मानेगी, लेकिन इसमें हिन्दूओं की गवाही होगी। लेकिन यीशु की गवाही क्या है यह एक अपरिचित मुहावरा है, और हमे इसे उजागर करने के लिये मानवीय ज्ञान से अधिक की आवश्यकता है।

ध्यान दीजिये कि बाइबल हमारे लिये इस अभिव्यक्ति को कैसे परिभाषित करती है। यदि इस पाठ में वास्तव में हमारे लिये परम सत्य का हृदय है, तो परमेश्वर के वचन के द्वारा इसके प्रत्येक भाग को स्पष्ट करना होगा। परिभाषा स्वर्गदूत को सभी मार्ग द्वारा दी गई है जो स्वर्ग से यहून्ना को समझाने के लिये भेजा गया है। ''मैं तेरा और तेरे भाईयों का संगी हूँ, जो यीशु की गवाही देने पर स्थिर है, परमेश्वर को दण्डवत कर, क्योंकि यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा है।'' (प्रकाशितवाक्य 19:10)

वो रहा,अब हम बिना शक, के जानते है कि यीशु की गवाही आत्मा की भविष्यवाणी है। और यह आखिरी दिन की सच्ची कलीसिया के लिये पहचान का तीसरा महान चिन्ह है।

मुझे आपसे पूछना है, क्या इन सादे बाइबल के बयानों में सबसे ज्यादा उत्साह की भावना आपमें उठती है जैसे ईश्वर, के वचन में छिपी हुइ सच्चाई के बाद की मांग की? हम अपने दिन में ईश्वर, के विशेष, लोगों और उनके विशेष संदेश की पहचान करने के करीब और करीब हो रहे है। हम इसे पहचान बनाने के लिये बाइबल की अनुमति देकर कर रहे है। हमने इन तीन निश्चित विशेषताओं में से एक को भी नहीं गढ़ा है। कोई भी ईमानदारी से यीशु मसीह के अन्त समय कलीसिया के लिये अपने आवेदन को चुनौती नहीं दे सकता है। शेष कलीसिया को इन पहचान के इन सभी बाइबल के तीनों के पास होना चाहिये-

1. 1798 के पश्चात उठना

2. सभी इस आज्ञाओं को माने

3. भविष्यवाणी की भावना रखे

मुझे पता है कि कुछ पहले से ही उस तीसरे चिन्ह पर हैरान है। ''भविष्यवाणी की भावना'' समझ से बाहर के रूप में है गवाही की गवाही। लेकिन मेरे साथ रहो, और हम बहुत जल्द उस बिन्दु के लिये स्पष्टीकरण प्राप्त करेगें।

अध्याय-5
चौथी पहचान की विशेषता

अभी मैं, हमारी सूची में पहचान का चौथा महत्वपूर्ण चिन्ह जोड़ना चाहूँगा। हमने इस कलीसिया को ऐतिहासिक सत्य का अंतिम, टुकड़ा माना है। ये यीशु के लौटने से ठीक पहले ईश्वर, के अंतिम संदेश की घोषणा करेगा। वास्तव में, यदि समय के अन्त में ईश्वर, के पास दुनिया के लिये किसी भी प्रकार की विशेष सलाह या चेतावनी है, तो वह निश्चित रूप से अंतिम दिन की कलीसिया के माध्यम से संदेश देगें। मुझे लगता है कि हम सभी निष्कर्ष के तर्क को देख सकतेहै।

क्या वास्तव में परमेश्वर के पास ऐसा कोई संदेश है, और क्या यह बाइबल में स्पष्ट रूप से पहचाना गया है? यीशु ने संकेत दिया कि निश्चित सत्य की घोषणा तुरन्त मानव इतिहास के समापन से पहले होगी। उनके शब्दों को सुना ''और राज्य के इस सुसमाचार को सभी राष्ट्रों के लिये, एक गवाह के लिये, पूरी दुनिया में प्रचार किया जायेगा, और फिर अन्त होगा। (मत्ती 24:14)

मसीह के आने का अंतिम संकेत ''राज्य के सुसमाचार'' का एक विष्वव्यापी उपदेश होगा। उसके बाद, अंत आ जायेगा। अब मुझे बारीकी से पालन करना हैं। प्रकाशितवाक्य का लेख यहून्ना ने वास्तव में दृष्टि से मसीह के शब्दों की पूर्ति को देखा। उन्होंने लिखा, ''और मैंने एक और स्वर्गदूत को उड़ते हुये देखा।

स्वर्ग के बीच में उड़ते हुये देख जिसके पास पृथ्वी पर रहने वालों की हरजाति, और कुल और भाषा और लोगों को सुनाने के लिये सनातन सुसमाचार था।'' (प्रकाशितवाक्य 14:6, 7)

अगले कुछ श्लोकों में वर्णन किया गया है कि सुसमाचार की विशेष अंतिम घोषणा में क्या शामिल होगा। फिर तुरन्त यहून्ना ने मनुष्य के बेटे को बैठे हुये देखा, उसके सिर पर एक सुनहरा मुकुट और उसके हाथ में तेज दरांती थी। और उसने कहा ''अपना हंसुआ लगाकर लवनी कर क्योंकि लवनी का समय आ पहुँचा है, इसलिये कि पृथ्वी की खेती पक चुकी है'' (प्रकाशितवाक्य 14:14-16)

क्या आपने उसे पकड़ा? जैसे ही यह विशेष ''सुसमाचार संदेश पृथ्वी पर हर देश में गया, अंत समाप्त शुरू, होता है। यीशुका दुनिया में प्रचार किया जायेगा। और फिर अन्त आयेगा ''मैं आपको बताता हूँ कि यह संदेश जो भी हो, यह सबसे जरूरी और सम्मोहक होना चाहिये जो मानव के कानों ने कभी न सुना हो। यहून्ना और यीशु दोनो इस बात की गवाही देते है कि पूरा होने पर यह मसीह के गौरवशाली, राज्य में प्रवेश करेगा।

क्या हम जानते है कि अंतिम चेतावनी में क्या होगा? यहून्ना ने इसे इतना सरल रूप से बताया कि किसी को भी सन्देह नहीं हुआ, ऊँची आवाज में कहा, ईश्वर, से डरो, और उसे महिमा दो, क्योंकि उसके न्याय का समय आग गया है (प्रकाशितवाक्य 14:7)। ध्यान दे कि ईश्वर, के इस अंतिम आवहान का एक भाग यह घोषणा करेगा कि न्याय पहले हो चुका है, ''नहीं आयेगा।'' हमे पृथ्वी के सभी देशों के लिये इस तरह से

पूर्व आगमन निर्णय संदेश के प्रचार के लिये देखना और सुनना चाहिये।

पहले स्वर्गदूत के संदेश का अगला भाग है, और उसकी पूजा करो जिसने स्वर्ग, और पृथ्वी और समुद्र और पानी के फव्वारे बनाये'' (प्रकाशितवाक्य 14:7) क्या वह ध्वनि परिचित है? इसके लिये इस आज्ञाओं की चौथी आज्ञा के आदेश से शब्द के लिये लगभग उदधृत किया जाना चाहिये, जो दृढ़ता से इंगित करता है कि ''सब्त सुसमाचार'' उदघोषणा का एक हिस्सा होगा जो अंत से पहले पूरे विश्व में जाना चाहिये।

आप निर्माता के रूप में ईश्वर, की उपासना कैसे करते है? दस आज्ञाओं के दिल में रख कर, ईश्वर, ने उत्तर लिखा है, ''छः दिनों मे ईश्वर, ने स्वर्ग और पृथ्वी, समुद्र और उन सभी जो उसमें है, बनाया है, और सातवें दिन विश्राम किया है। यहाँ यहोवा ने सब्त के दिन को आशीर्वाद दिया, और इसे पवित्र किया'' (निर्गमन 20:11)।

सच्ची उपासना ईश्वर, की रचनात्मक शक्ति और अधिकार की मान्यता से उपजी है, और सब्त ईश्वर, का अपना स्थापित संकेत है कि वह सब का निर्माता है। पूरी बाईबल में परमेश्वर ने दावा किया है कि वह आराधना करते हैं क्योंकि उसने सभी चीजों को बनाया है। तू योग्य है, हे प्रभु महिमा और सम्मान और शक्ति प्राप्त करने के योग्य है क्योंकि तू ही ने सब चीजों की सृष्टि की है'' (प्रकाशितवाक्य 4:11)

ईश्वर, ने झूठे देवताओं को बार-बार चुनौती दी क्योंकि वे पैदा नहीं कर सकते थे। ''जिन देवताओं ने आकाश और पृथ्वी नहीं बनाये हैं, वे पृथ्वी से भी नाश,होंगे। उन्होंने अपनी शक्ति से पृथ्वी को नहीं बनाया है'' (यिर्मयाह 18:11, 12) स्वयं ईश्वर, ने ..... पृथ्वी का गठन किया और इसे बनाया। मैं यहोवा हूँ और कोई नही हैं।'' (यशायाह 45:8)

सब्त को परमेश्वर द्वारा एक महान स्मारक के रूप में सम्मानित किया गया था-जो कि परमेश्वर की एकमात्र उपासना के रूप में उसके प्रभुत्व पर हस्ताक्षर करता है। रचनाकार ने पवित्र सब्त को चिन्हित करने के लिये सप्ताह के सातवें दिन मनमाने चक्र को गाति में सेट किया, ताकि दुनिया यह जाने के,बिना किसी बहाने कि उपासना किसकी और कब करनी है इस प्रकार पहले स्वर्गदूत के संदेश ने पुरूषों को ''उसकी महिमा करने के लिये बुलाया जो स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र को बनाता है।'' सच्चे सब्त को मानने के लिये कहा गया है।

यहून्ना द्वारा वर्णित दूसरे और तीसरे स्वर्गदूतों के संदेशों को संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है, ''गिर पड़ा, वह बेबीलोन गिर पड़ा जिसने अपने व्यभिचार की कोपमय मदिरा सारी जातियों को पिलाई है।'' जो कोई इस पशु और उसकी मूर्ति की पूजा करे और अपने माथे या हाथ पर उसकी छाप लेता है....वही ईश्वर, के क्रोध की मदिरा पियेगा। (प्रकाशितवाक्य 14:8-10)। कई लोगों की राय के विपरीत, पशु के संदेश का यह साहसिक उपदेश शामिल है। ईश्वर, के राज्य का सदा का सुसमाचार। यहाँ तक कि पशु के

निशान के खिलाफ चेतावनी हर राष्ट्र, दयालु, जीभ और लोगों को दी जायगी। अन्त में वे आयेंगे।

अब हम तीन अन्य लोगों की सूची में चौथी विशेषता जोड़ने के लिये तैयार है। अंतिम दिनों की सच्ची अवशेष कलीसिया निश्चित रूप से ग्रहपृथ्वी के सभी निवासियों को अपनी अंतिम चेतावनी संदेश देने के लिये ईश्वर, का उपयोग कर रही है। उस संदेश में (क) निर्णय समय शामिल है, सच्चा सब्त, आराधना, आध्यात्मिक बाबुल का पतन, और (घ) पशु का निशान।

यह वर्तमान दिन की सच्ची कलीसिया की विशिष्ट विशेषताओं का अद्भुत क्रम को पूरा करता है-

(1) 1798 के बाद उठता है

(2) सभी आज्ञाओं को रखता है

(3) भविष्यवाणी की आत्मा है

(4) विष्वव्यापी पैमाने पर तीन स्वर्गदूतों (14) के संदेश दुनिया भर में प्रचार करता है

पूरी दुनिया में क्या कोई भी विचारशील व्यक्ति इस बात के प्रति उदासीन हो सकता है कि हमने शानदार आध्यात्मिक रहस्यों में से एक को खोलने की कोशिश की है। परमेश्वर ने प्रकाशितवाक्य के एक जबरदस्त भविष्यवक्ता अध्याय में सभी सुरागों को केंद्रित किया है। पहचान के निशान देखे। यह ईश्वर, की सूची है, मेरी नहीं। मैं ने बस उन्हें परमेश्वर के प्रेरित पृष्ठों

से उठा लिया। आज वे हमें सच्ची कलीसिया के बारे में क्या बताते है?

सबसे पहले, यह 1798 से पहले उत्पन्न हो सकता था। ये दुनिया के सबसे लोकप्रिय प्रोटेस्टेन्ट कलीसियों को समाप्त करता है। व्यवहारिक रूप से इन सभी का गठन 1798 से पहले हुआ था। दूसरी बात, यह एक कलीसिया होनी चाहिये जो दस आज्ञाओं को मानते है। पहली नजर में यह पता चलता है कि कौन सी कलीसिया सही है, इसकी खोज के लिये एक बहुत ही खराब परीक्षण है। निश्चित रूप से वे सभी ईश्वर, के महान नैतिक कानून का पालन करना सिखायेगें और उनका पालन करेंगे? तथ्य यह है कि बहुत कम समय कालीन संमुदाय भी दस आज्ञाओं को मानने का दावा करते है कि वे चौथे आदेश द्वारा आवश्यक सातवें दिन सब्त का निरीक्षण नहीं करते है। वे सप्ताह के पहले दिन को सब्त के बजाय मानतें है।

अध्याय-6
अधिकांश कलीसिया बाइबल परीक्षा में असफल रह जाते है

क्या ये अजीब नहीं लगता? ईश्वर, ने अपने हाथ से लिखा ''सातवें दिन तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की प्रतिष्ठा में आराम का दिन है। (निर्गमन 20:10) जिस दिन परमेश्वर ने पवित्र आज्ञा दी, उस दिन के बारे में किसी को भ्रम नहीं हुआ। सभी रूप से स्वीकार करते

है कि शनिवार सप्ताह का सांतवा दिन होता है। इसके अलावा, उनमें से ज्यादातर हर हफते ईश्वर, की आज्ञा का उल्लंघन करते हुये सब्त के दिन काम करते है, जिसे ईश्वर, ने निषिद्ध कर दिया है।

सतवें दिन के सब्त के टूटने की भरपाई के लिये उन्होंने एक और दिन-सप्ताह के पहले दिन को प्रति स्थापित किया है। एक ईश्वर, की आज्ञा के स्थान पर।

वे ईश्वर, के महान नैतिक कानून को ऐसे दृढ़ इच्छा शक्ति को कैसे सही ठहराते है? स्थिति आश्चर्यजनक है कि हम इसे कैसे देखते है। कई कलीसियायें दस आज्ञाओं को मूसा के औपचारिक नियमों के रूप में अलग करती है और सिखाती है कि उन्हें क्रूस पर समाप्त कर दिया गया था। अन्य लोग यह स्थिति लेते है किसी भी दस आज्ञाओं को स्वीकार करते है, सब्त दोनो नये नियम में लिया गया किसी भी मामले में चौथी आज्ञा ही है।

ईश्वर, की रचनात्मक और मुक्तिदायी शक्ति के विशेष पहचान को अस्वीकार कर दिया गया है।

फिर भी हमने अभी-अभी पता लगाया है कि आज्ञाओं को मानने के लिये सच्ची कलीसिया को तैयार किया जायेगा। इसे नीचे चिन्हित करे। बाइबल के स्पष्ट शिक्षण के अनुसार कोई भी कलीसिया महिला का अवशेष नहीं हो सकता है जब तक कि वह सातवे दिन सब्त के साथ-साथ अन्य सभी नौ आज्ञाओं को नहीं मानता है। अचानक हम उन लोगों की विशाल बहुमत को देखते है जिन्हों ने पहली परीक्षा पास की और दूसरे से मिलने में असफल रहे।

लेकिन अब हम भविष्यवाणी की तीसरी आवश्यकता पर आगे बढ़ते है। अंतिम दिन के अवशेष कलीसिया में भविष्यवाणी की भावना होनी चाहिये। इसका क्या मतलब है? सन्देह के बिना यह विशेष रूप से पहचान का झंडा हमारी सूची में सबसे महत्वपूर्ण है। हमें पता चलेगा कि इसमें केवल समझ और उपदेश की भविष्यवाणी से अधिक शामिल है।

अन्त में इस विशेष कलीसिया को पृथ्वी पर सभी देशों के लिये घोषित अद्वितीय संदेश द्वारा प्रतिष्ठित किया जायेगा..... निर्णय शुरू, हो गया है, सब्त का दिन सातवां है, बाबुल गिर गया है और पशु के निशान के खिलाफ चेतावनी हो गयी है।

इससे पहले कि हम किसी भी नयी कलीसिया की प्रणाली के बारे में कहे, जो रात्रि से मेल खाती है, प्रेरित विशेषताओं में हमें वापस करना, जिसे अभी भी पूरी तरह से समझाया नहीं गया है।

अध्याय-7
भविष्यवाणी की आत्मा

ईश्वर, की प्रेरणा के तहत, यहून्ना ने घोषणा की, कि स्त्री के अवशेष में, ''यीशु की गवाही होगी''। चूंकि वह अभिव्यक्ति कुछ अस्पष्ट है, इसलिये यहून्ना ने बाद में स्पष्टीकरण दिया जो अभी भी वांछित होने के लिये बहुत कुछ छोड़ देता है। उन्होंने बस इतना कहा, ''यीशुकी गवाही भविष्यवाणी की आत्मा है।'' (प्रकाशितवाक्य 19:10)

कम से कम यह सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन हमें अब यह पता लगाना चाहिये कि यहून्ना का उस अभिव्यक्ति से क्या मतलब है, ''भविष्यवाणी की भावना'' जो कुछ भी है, वह ईश्वर, के साथ उच्च स्थान पर है, क्योंकि वह इसे तरीकों में से एक के रूप में नामित करता है जिनके द्वारा अंतिम दिनों में अपने सच्ची कलीसिया को पहचानना है।

जब हम कथन के पूर्ण संदर्भ की जांच करते है, तो तस्वीर साफ होने लगती है। एक स्वर्गदूत यहून्ना को दिखाई देता है और यहून्ना विस्मय और प्रशंसा में जमीन पर गिर जाता है। प्रकाशितवाक्य के लेखक ने कहा, ''देख ऐसा मत कर, मैं तेरा और तेरे भाईयों का संगी दास हूँ जो यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, परमेश्वर को दण्डवत कर, क्योंकि यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा है।'' (प्रकाशितवाक्य 19:10)।

इस पद में कृपा ध्यान दे कि किसने वर्णन किया है कि यह यीशु की गवाही है, या भविष्यवाणी की आत्मा है। केवल यहून्ना के ''भाईयों'' की पहचान की जाती है। अब हमें कुछ और जानकारी लेनी चाहिये जो यहून्ना के भाई थे। वचन हमें विफल नहीं कर रहा हैं, प्रकाशितवाक्य 22:8, 9 में यहून्ना स्वर्गदूत की कहानी दोहराई और थोड़ा और विस्तार से बताया। ''और मैं यहून्ना ने इन चीजों को देखा और उन्हें सुना। और जब मैंने सुना और देखा था, तो मैं स्वर्गदूत के चरणों में सम्मान करने के लिये गिर गया जिसने मुझे ये चीजे दिखाई। तब उसने मुझसे कहा, देख, ऐसा मत करना। मैं तेरा संगी हूँ और तेरे भाई भविष्यवाणी परमेश्वर की उपासना करते

है। यहून्ना के भाई भविष्यवक्ता के और उन्हें केवल भविष्यवाणी की भावना के बारे में कहा जाता है।

अचानक, पूरी पहेली जगह में गिर जाती है। केवल उन लोगों के पास जो अयोग्यता की भावना रखते थे, वे स्वयं नबी थे अगर सिर्फ ''भविष्यवाणी की भावना'' कहा जा सकता है, तो कई आधुनिक शिक्षक और प्रचारक योग्यता प्राप्त कर सकते है। लेकिन बाईबल यह स्पष्ट करती है कि यह भविष्यवाणी करने की वास्तविक क्षमता है। दूसरे शब्दों में, यह भविष्यवाणी का उपहार है। केवल नबियों के पास था।

यह तथ्य प्रेरित पौलुस द्वारा समर्पितहै। ''हर बात में तुम उसके द्वारा समृद्ध होते हो।

सभी उच्चारण में, और सभी ज्ञान में, यहाँ तक कि मसीह की गवाही (भविष्यवाणी की भावना) की आप में पुष्टि की गई थी, ताकि तुम बिना किसी उपहार के आओ, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने की प्रतीक्षा कर रहे है। (1 कुरिन्थियों 1:5-7)

यहाँ यीशु की गवाही को भविष्यवाणी की ''आत्मा'' के बजाय ''उपहार'' कहा जाता है। और निहितार्थ बहुत मजबूत है कि उपहार हमारे उद्धारकर्ता की वापसी पर कार्रवाई में होगा।

पौलुस से प्रेरणा के साथ हम फिर से परिचित जमीन पर वापस आ गये है। हमें भविष्यवाणी के उपर शब्द के साथ कोई समस्या नहीं है। नये नियम के एपिसोड आत्मा के सभी उपहारों के संदर्भ में भरे हुये है, जिसमें भविष्यवाणी का उपहार भी शामिल है। पौलुस ने इफिसुस में चर्च को बताया कि कैसे और

कब उपहार दिये गये थे, ''जहाँ उसने कहा, जब वह ऊँचे पर चढ़ गया, तो उसने बंदी का नेतृत्व किया, और पुरूषों को उपहार दिया'' (इफिसियों 4:8)।

इस पर थोड़ी टिप्पणी की जरूरत है। यह एक सर्व विदित तथ्य है कि जब यीशु स्वर्ग में लौटा तो उसने कुछ विशेष ''उपहार'' या पृथ्वी पर अपने लोगों के साथ क्षमताओं को छोड़ दिया। वास्तव में, उनका नाम रखा गया है, ''और उसने कुछ, प्रेरितों और कुछ भविष्यवक्ताओं, कुछ इंजीलवादी में और कुछ पादरी और शिक्षक'' (इफिसियों 4:11)

किस कारण से यीशु ने इन उपयुक्त लोगों के साथ चर्च में कुछ विशेष समर्थन किया आध्यात्मिक उपहार ''सतों की पूर्णता के लिये मंत्रालय के काम के लिये, मसीह के निकाय के संपादन के लिये'' (इफिसियों 4:12) उसने विश्वासियों का निर्माण करने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये ऐसा किया। ये उपहार मसीह के शरीर को नेताओं को परिपत्र और परिपूर्ण करने के लिये थे क्योंकि उन्होंने सदस्यों को संपादित करने की मांग की थी।

अगली आयत बताती है कि कलीसिया में उन उपहारों की कब तक जरूरत होगी। ''जब तक हम सभी विश्वास की एकता में आते है, और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान, एक पूर्ण मनुष्य की अेर मसीह की पूर्णता की प्रकृति के उपाय तक (इफिसियें 4:13) यदि भाषा का कोई अर्थ है, तो ये शब्द एक विचार को बहुत स्पष्ट रूप से व्यक्त करते है। सभी उपहार जो मसीह ने अपने कलीसिया के साथ रखे थे, वे बहुत समय तक काम करते रहे। उन्हें कलीसिया

को पूर्णता के लिये और मसीह के कद की परिपूर्णता को लाने की आवश्यकता होगी।

हिम्मत हम अगला स्पष्ट सवाल पूछते है? आज ये उपहार कहाँ है? यदि वे हमारे प्रभु द्वारा अपने पवित्र कार्य को समय के अंत तक करने का इरादा रखते थे तो वे सभी को हमारे आस पास की कलीसिया में काम करते हुये देखा जाना चाहिये। अगर वे है तो पूछताछ करे। क्या आज हम अधिकांश कलीसिया में शिक्षक पाते है? इसका जबाव है, हाँ। पादरी और प्रचारक के बारे में क्या?

व्यवहारिक रूप से सभी संप्रदाय उसके पास है। हम हम प्रेरितों के बारे में क्या कह सकतेहै? चूंकि इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है "मिशनरी" (यूनानी शब्द से आता है, जिसका अर्थ है "जिसे भेजा गया है") हम फिर से कह सकते हे कि अधिकांश आधुनिक कलीसिया इस विशेष उपहार पर अर्हता प्राप्त करते हैं।

अब तक सब ठीक है। लेकिन हमारे पास एक और पूछताछ है-भविष्यवक्ताओं के विषय में क्या? अधिकांश धार्मिक तिमाहियों से, इस सवाल का कोई तैयार जवाब नहीं है। व्यवहारिक रूप से कोई भी कलीसिया दावा नहीं करती है कि इस तरह की चीज कभी भी उसके सेविकाओं का हिस्सा रही है।

लेकिन क्यों? यदि अन्य सभी उपहार आवश्यक है, तो भविष्यवक्ताओं को भी आवश्यक क्यों नहीं होना चाहिये? यह निश्चित रूप से शुरूआती कलीसिया में गिना गया था। वास्तव में, सभी अध्यात्मिक उपहार अधिनियमों की पुस्तक के अनुसार, सबूतों में बहुत अधिक थे। "अब कलीसिया में थे अंताकिया कुछ

भविष्वक्ताओं और शिक्षकों में थे, बरनवास के रूप में, और शिमौन (प्ररितों के काम 13:1) यहाँ इनके पास सबूत है कि दो उपहार शिक्षक और भविष्यवक्ताओं को अंताकियां की कलीसिया का एक हिस्सा थी। इसके बाद प्रेरितों के काम 21:9 में हम पढ़ते है कि ''एक आदमी की चार बेटियां कुवारी लड़कियाँ थी, जो भविष्यवाणी करती थी, ''ध्यान दे कि एक परिवार की इन चार महिलाओं को भविष्यवक्ताओं के रूप में नियुक्त किया गया था। उनके पास भविष्यवाणी की भावना थी।

अध्याय-8
कलीसिया से भविष्यवक्ता गायब क्यों हुये

यह स्पष्ट हो कि सभी उपहार समान रूप से प्रेरित युग में और तुरन्त बाद में समान रूप से चल रहे थे। लेकिन दो या तीन सौ साल बाद मसीह युग में भविष्यवाणी से बचने के लिये भविष्यवाणी का उपहार क्यों दिया गया ? हमारे पास उम्र के माध्यम से इसका उतना रिकार्ड नहीं है जितना हम अन्य उपहारों के लिये करते है। हम आज के सभी कलीसियाओं में पादरी, शिक्षक आदि के साथ भविष्यवक्ता क्यों नहीं पाते है?

हम इस सवाल से बचने की हिम्मत नहीं करते है क्योंकि वर्तमान में लाखों मसीही कट रहे है। परमेश्वर का वचन मुद्दे के शीर्षक से मिलता है और इस प्रक्रिया में कोई कमी नहीं पाता है। यह देखना आसान है कि अधिकांश कलीसियायें इस

उपहार की अनुपस्थिति को उनके बीच में अनदेखा करने की कोशिश क्यों करती हैं खास कर जब हम इसकी अनुपस्थिति का कारण खोजते हैं।

यह पोस्ट ऐपोस्टोलिक अवधि में पहली बार नहीं है कि ईश्वर, के लोगों के बीच में भविष्यवाणी की भावना को हटा दिया गया था। सच्चाई यह है कि ईश्वर, कलीसिया के साथ काम कर रहा था, जिस प्रकार वो लोगों के साथ करता आया था। पुराने नियम के माध्यम से सभी ने ईश्वर, का नेतृत्व किया और उन्हें दो दिव्य द्वारा निर्देश दिया गया।

ऐजिन्सयों, कानून और भविष्यवक्ताओं, भविष्यवक्ता यिर्मयाह के द्वारा परमेश्वर ने इज़रायल से बात की, ''यदि तुम मेरी बात नहीं मानोगे मेरे कानून में न चलोगे,जो मैं ने तुम्हारे सामने निर्धारित किये हैं, मेरे दासों भविष्यवक्ताओं, जिन्हें मैं ने तुम्हारे पास भेजा था, को सुनने के लिये। ''मैं इस घर को शीलों की तरह उजाड़ दूंगा और इस शहर को पृथ्वी के सभी देशों के लिये अभिशाप बना दूंगा'' (यिर्मयाह 26:4-6)

कनून और भविष्यवक्ता दोनो एक साथ चलते है। वे न केवल पवित्र शास्त्र के लेखन का उल्लेख करते है, बल्कि वेदिव्य मार्गदर्शन के दो साधनों का भी उल्लेख करते है। ''मेरी आज्ञाओं को मानो और मेरे भविष्यवक्ताओं की सुनो'' ईश्वर, की आवश्यकता है। और पवित्र रिकॉर्ड इंगित करता है कि अगर उन्होंने उन दिव्य ऐंजेसियों में से एक को अस्वीकार कर दिया, तो ईश्वर, दूसरे को भी हटा देगा क्योंकि वे वास्तव में उनके नेतृत्व को अस्वीकार कर रहे

थे। कई मौकों पर इजरायल के बच्चे ईश्वर, के कानून से दूर हो गये, केवल भविष्यवाणी की आवाज को खोजने के लिये।

यिर्मयाह ने लिखा, ''कानून अब और नहीं है, उसके भविष्यवक्ताओं को भी ईश्वर, से कोई दृष्टि नहीं मिलती है'' (विलापगीत 2:9,) यहेजकेल ने इस प्रकार रखा, ''तब वे नबी की दृष्टि को तलाश करेगें, लेकिन कानून याजक से नष्ट हो जायेगा और पूर्वजों से परामर्श (यहेजकेल 7:26) बुद्धिमान व्यक्ति ने एक ही सिद्धान्त रखा, जहाँ कोई दृष्टि नहीं, लोग नाश होते है। लेकिन वह जो कानून को बनाये रखता है, वह खुश है'' (नीतिवचन 29:18)।

अपने कानून की खुली अवज्ञा के समय में परमेश्वर ने नबियों को केवल फटकार लगाने और वापस बुलाने के लिये जो कानून से मुकर गये, वे केवल अन्य राजस्व को भी जब्त कर रहे है, जिससे वेदिव्या दिशा प्राप्त कर सकते है। अपने प्रेरितों में शाऊल ने पुकारा, ''ईश्वर, मुझसे विदा हो गया है और मुझे न कोई उत्तर दे रहा है, न भविष्यवक्ताओं द्वारा, न ही स्वप्नों द्वारा (1 शमुएल 28:15)

यहेजकेल 20:3 में इसका एक आदर्श उदाहरण है जब लोग परमेश्वर के परामर्श के बाद पूछताछ करने आये थे। ''हे मनुष्य का पुत्र, इजरायली पुरनियों से बात करो, और उनसे कहो, प्रभु यहोवा यो कहता है, क्या तुम मुझसे पूछताछ करने आ रहे हो? जैसा कि मैं रहता हूँ ईश्वर, में तुम्हारे द्वारा पूछताछ नहीं की जायेगी? वह इस मामले में उन्हें जबाब क्यों नहीं देगा? छन्द 11-13 का उत्तर देते है, और मैं ने उन्हें अपनी विधियां दी है, और उन्हें मेरे निर्णय दिखाए,

जो यदि कोई व्यक्ति करता है तो वह उनमें भी जीवित रहेगा। इसके अलावा मैं ने उन्हें अपने सब्त उनमें भी जीवित रहेगा। इसके अलावा मैं ने उन्हें अपने सब्त के दिन, मेरे बीच एक संकेत होने के लिये भी दिया। उन्हें कि वे जान सके कि मैं यहोवा हूँ जो उन्हें पवित्र करता हैं। लेकिन इजरायल के घराने ने मेरे खिलाफ विद्रोह किया, वे मेरी विधियों में नहीं, और मेरे निर्णयों को तुच्छ जाना, जो यदि कोई मनुष्य करता है, तो वो उन में जीवित रहेगा, और मेरे सब्त के दिन, वे बहुत प्रदूषित हुये, तब मैं ने कहा, मैं जंगल में उन पर अपना रोष प्रकट करूंगा, उनका उपभोग करने के लिये।''

निश्चित रूप से हम देख सकते है कि ईश्वर, ने कोई ईश्वरीय दिशा नहीं दी, क्योंकि उन्होंने अपना कानून त्याग दिया था और अपने सब्त को तोड़ दिया था। इस चौथी आज्ञा का उल्लंघन किया था जिसने विशेष रूप से ईश्वर, की नाराजगी को उकसाया।

अब हम नये नियममें भविष्यवक्ताओं के प्रष्न से निपटने के लिये तैयार है, और दो या तीन शताब्दियों के बाद वे क्यों गायब हो गये। कलीसिया के गायब होने की भविष्यवाणी के उपहार के एक ही समय में ईश्वर, के कानून का क्या हुआ? उस प्रारम्भिक काल के इतिहास से पता चलता है कि सब्त को सूर्य के बतुपरस्तदिन के पक्ष में अलग रखा गया था। तपती धूप के साथ एक घृणित समझौते ने सातवे दिन की खुली अस्वीकृति का नेतृत्व किया। और जब ऐसा हुआ तो परमेश्वर ने वही किया जो उसने हमेशा किया था, जब उसके लिये,उसके पवित्र नियम से बदल गये थे, उन्होंने भविष्यवाणी की भावना के मार्गदर्शन को

वापस ले लिया। कलीसिया से भविष्यवक्ता गायब हो गये। यह हमें एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण सवाल के साथ आमने सामने लाता है। क्या यह मानने का कोई कारण हे कि जब कलीसिया कानून को पुर्नस्थापित करती है और सब्त के दिन फिर से निरीक्षण करना शुरू, करती है तो क्या ईश्वर, कलीसिया को भविष्यवाणी का उपहार बहाल करेगे? यह हमें प्रकाशितवाक्त्य 12 की उस गतिशील भविष्यवाणी और अवशेष के परमेश्वर के वर्णन की ओर वापस ले जाता है अब पहली बार, हम उस सत्रवें (17) श्लोक का पूरा महत्व देख सकते है, ''और अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ और उसके बीज के अवशेष के साथ युद्ध करने के लिये गया, जो ईश्वर, की आज्ञाओं को मानते है, ओर यीशु मसीह की गवाही देते है।

तुम्हें दिख रहे इतने लम्बे समय से उपेक्षित कानून, जहॉ कलीसिया में ठीक ठाक है। और कानून के साथ यीशुमसीह की गवाही है जो भविष्यवाणी की भावना है। इसके बारे में सोचो। कानून और भविष्यवक्ताओं को ईश्वर, के सच्चे धर्मत्यागी कलीसिया के अंतिम अवशेष टुकड़े में फिर से एक साथ वापस मिलता है। सभी उपहार फिर से चल रहे है जैसा कि उन्होंने प्रेरितों के पहले के दिनों में किया था।

याद रखो कि एक अवशेष की भूल के समान होना चाहिये, सिवाय इसके कि यह बहुत अंत पर है, और यह एक छोटा सा टुकड़ा है। इस शानदार भविष्यवाणी से पता चलता है कि अंत होगा।

प्रेरितों के विश्वास का समय बहाल करना। वही सब्त बहाल होगा, वहीं उपहार। आत्मा प्रकट होगी, और सभी महान अपोस्टोलिक सिद्धान्तों को 1260 वर्षो के मशहूर विकृति के प्रभाव से छीन लिया जायेगा।

एक कलीसिया, जिसे अवशेष कहा जाता है, को 1798 के कुछ समय बाद दिखाई देना चाहिये। यह सब्त को बनाये रखते हुये कई पीढ़ियों की नींव को बहाल करेगा, वही जो यीशुने सृष्टि को सप्ताह के दौरान मनुष्य के लिये बनाया था। वही सब्त जब उसने पृथ्वी पर बनाया था। उस कलीसिया में भविष्यवाणी का असल तोहफा प्रकट किया जायेगा। असामान्य अध्यात्मिक आशीर्वाद और शक्ति के अभिषेक के तहत जो अवशेष कलीसिया दुनिया के सभी देशों के लिये प्रकाशितवाक्य 14 का विशेष अंतिम चेतावनी संदेश ले जायेगा। जैसा कि हमने सुसमाचार में वर्तमान समय का निर्णय, सब्त, बाबुल का महान और पशु का संदेश शामिल किया है।

इस कलीसिया को यहून्ना द्वारा इन शब्दों में फिर से पहचाना गया है, यहाँ संतो का धैर्य है, यहाँ वे है जो परमेश्वर की आज्ञाओं और यीशु के विश्वास को बनाये रखते है (प्रकाशितवाक्य 14:12)। इस तथ्य को नजर अंदाज न करे कि ये आज्ञायें मानने वाले संतो को केवल वे ही करने के लिये सशक्त है जो यीशुपर भरोसा करते है जब आप उन्हें खोजते है तो वे उनकी धार्मिकता का घमंड नहीं करेंगे या उन्हें बचाने के लिये उनके अच्छे कार्यो पर निर्भर करेगें। सभी लोगों के ऊपर वे उद्धारकर्ता के साथ प्रेमपूर्ण, व्यक्तिगत

सम्बन्ध रखेंगे, जिसकी वे पूजा करते हैं। उनकी आज्ञाकारिता पूरी तरह से मसीह के अधीन और निष्पक्ष धार्मिकता के गुणों पर आधारित होगी। वे आज्ञाओं को मानेंगे क्योंकि वे अनुग्रह से बच गये है और ईश्वर, के साथ कोई एहसान नहीं करना चाहते है।

इस समय तक आप शायद उत्सुकता की स्थिति में हैं कि क्या कोई भी अस्तित्व बाइबल में निर्धारित अविश्वसनीय शर्तों को पूरा कर सकता है। कई लोग सच्ची कलीसिया होने का दावा करते है, लेकिन उनके दावे परमेश्वर के वचन की आवश्यकताओं पर आधारित नहीं है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में उल्लेख चार विशिष्ट अंकों को फिट करने वाले विचार के लिये योग्य हो सकते है। बस मान लीजियें कि हम आज दुनिया में केवल एक ही कलीसिया पा सकते है जो सभी बाईबल परीक्षणों से मिलता है। क्या हम यह उम्मीद कर सकते है कि इसमें निर्दोष सदस्यों के साथ एक आदर्ष कलीसिया हो? इसके विपरीत यह निश्चित रूप से औसत पुरूषों से बना होगा, अन्य सभी मनुष्यों के समान विफलताओं के अधीन। यह ''अवशेष'' के दन्ड को पूराकरने के लिये एक तुलनात्मक रूप से छोटी कलीसिया होनी चाहिये। यीशुने कहा, रास्ता और जीवन में ही हूँ।

सच्चाई संकीर्ण थी और कुछ ऐसे थे जो इसे खोजते है'' (मत्ती 7:14) फिर उसने घोषणा की, ''और जैसा नूह के दिनों मे था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के दिनों में भी होगा (लुका 17:26) किसी को भी महान संख्याओ बहुसंख्यकों पर भरोसा करके धोखा नहीं देना चाहिये। बचाये हुये लोग, बाढ़ के समय नाव

में ली गई आठ आत्माओं की तुलना में होगें। सत्य कभी भी लोकप्रिय नहीं रहा है और यह कामुक आनन्द और भौतिकवाद के अंतिम युग में कम होगा। शेष कलीसिया अपने भोग वादी जीवन शैली के साथ महान, लोकप्रिय कलीसियाओं के समान नहीं मिलेगी। यीशुने कहा, ''अगर कोई भी आदमी मेरे पीछे आयेगा, तो उसे खुद से इन्कार करने दो, और अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे चलने दो'' (मत्ती 16:24)।

पौलुस का परामर्ष था, ''उनके बीच से बाहर आओ, और तुम अलग हो जाओ। यहोवा की यही वाणी है'' (2 कुरिन्थियों 6:17)। तीतुस को उन्होंने लिखा, ''ईश्वर, की कृपा के लिये जो मोक्ष लाती है, सभी पुरूषों की दिखाई दी, हमें यह सिखाते हुये कि घृणा और सांसारिक वासनाओं से इन्कार करते हुये, हमें शांत, सही और ईश्वर,ीय रूप से जीना चाहिये। एक अजीबो ंगरीब व्यक्ति, अच्छे कामों के लिये उत्सुक है'' (तीतुस 2:11-14)।

ये और कई अन्य संबंधित छंदो से प्रतीत होता है कि अंतिम दिनों की सच्ची कलीसिया को दुनिया द्वारा उसी तरह देखा जायेगा जिस तरह से यीशुऔर उनके अनुयायी को देखा गया था चूंकि अवशेष केवल महान मूल का एक विस्तार है, इसलिये इसका बहुसंख्यक द्वारा तिरस्कृत किया जायेगा, जिसे अजीबों गरीब रूप में गिना जायेगा, और अन्त में प्रारम्भिक कलीसिया की तरह, मृत्यु के योग्य के रूप में। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक हर व्यक्ति पर एक निशान को लागू करने के लिये अन्त समय ''पशु'' शक्ति की एक

शैतानी योजना को उजागर करती है, और जो लोग उस चिन्ह को प्राप्त नहीं करेगे, उन्हें मृत्यु की निंदा की जायेगी। जैसा कि आप इस बिन्दु पर संदेह कर सकते है, जो लोग उस पशु के निशान का विरोध करते है, वे होंगे जो ''ईश्वर, की आज्ञाओं को मानते है, और यीशुपर विश्वास रखते है'' (प्रकाशितवाक्य 14:12) दूसरे शब्दों में, शेष कलीसिया।

फिर इस बात पर जोर दिया जाना चाहिये कि अवशेष कलीसिया से संबंधित सभी जरूरी नहीं बचाये जायेगे। अन्य सभी कलीसियाओं की तरह इसमें सामान्य लोग शामिल है जिन्हें यीशुमसीह के साथ एक निरंतर बचत सम्बन्ध बनाये रखना चाहिये। यह निस्संदेह सच है कि सभी संप्रदायों से लोगों को बचाया और खो दिया जायेगा। प्रत्येक व्यक्ति को प्रकट सत्य के आधार पर आंका जायेगा, और जो वह जानता है, उसका पालन कैसे करेगा। अवशेष कलीसिया के सदस्यों में महान प्रकाश होगा, और उनके अनुसार न्याय किया जायेगा। कई लोग परीक्षा में असफल होगे, क्योंकि वे बचत के गुण के बजाय सच्चाई के अपने ज्ञान पर निर्भर रहते हैं।

मसीह की धार्मिकता। यह कारण है कि ''अवशेष'' कलीसिया में खोजाने के लिये भी कई लोग के लिये यह पूरी तरह से संभव है जिन लोगों के पास इतनी बड़ी रोशनी नहीं है उन्हें स्वीकार किया जायेगा यदि वे यीशु को जाने है और सभी प्रकाशों में चले जो उन्हें दिया गया है।

लेकिन उन टिप्पणियों को बनाने के बाद, हमें यह भी मानना चाहिये कि ईश्वर, के पास एक विशेष संदेश एक विशेष कलीसिया के लिये है जिसे स्त्री के ''अवशेष'' के रूप में नामित किया गया है। यह अन्त में निकट दिखाई देगा, उसी सिद्धान्त को धारण करेगा जैसा कि धर्मत्याग कलीसिया ने किया था, सभी दस आज्ञाओं (सब्त सहित) को मानते हुये, भविष्यवाणी का उपहार था, और पूरे विश्व को प्रकाशितवाक्य 14 का उपदेष दिया।

अध्याय-9
क्या कोई भी कलीसिया चार परीक्षणों से मिलती है

दुनिया में अभी ऐसी कौन सी कलीसिया है जो इन बाईबल ग्रथों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करती है? ईश्वर, हमें आश्चर्य करने के लिये नहीं छोड़ता हैं उसने बाईबल में अंको को इतना अलग और स्पष्ट और सरल बना दिया है कि सभी जान सकते हैं कि क्या देखना है। क्या चार भ्रामक कलीसिया के नामों और निकायों के साथ चार महान भेदचिन्हों का मिलान करना मुश्किल है? हरगिज नहीं।

1798 के बाद कितनी कलीसिया बनी। एक छोटा सा अल्पसंख्यक सब्त सहित सभी दस आज्ञाओं को मान रहे है? कम उन्हें एक हाथ की उंगलियों पर गिना जा सकता है। इनमें से कितनी भी भविष्यवाणी की भावना है? और अन्त में, कितने लोग

पृथ्वी के सभी देशों, और भाषाओं में प्रकाशितवाक्य 14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेशों की घोषणा कर रहे है?

छाँटना और हटाना ,हमे सिर्फ एक कलीसिया तक पहुँचा दिया, मानों या न मानो। आपको इस मोड़ पर छोड़ना ईमानदारी से कम नही होगा अगर ईश्वर, ने कुछ असंभव संकर कलीसिया का वर्णन किया होता जो कभी था ही नही वह कभी मौजूद नहीं होगा। सभी विलक्षण प्रणालियें में से इस तिथि अस्तित्व में है, केवल एक ही कलीसिया है जो पूरी तरह से अवशेष के बाइबल माप दंडो को पूरा करता है।

यह हमारे निष्कर्ष पर आधारित होना चाहिये क्योंकि यह ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसलिये नहीं कि हमारे पास किसी विशेष कलीसिया को मापने के लिये कोई माप है। प्रकाशितवाक्य 12 के प्रेरित रिकार्ड में किसी भी मौजूदा कलीसिया के प्रतिभावनात्मक पूर्व ग्रह नहीं है। सबसे अधिक निराशव्यक्ति को पूर्ण भविष्यवाणी वाली तस्वीर की जांच करने के बाद उसी निष्कर्ष पर आना होगा। यह घमंड या गर्व के लिये कोई जगह नहीं छोड़ता है। यह रहस्य किसी मनुष्य ने नहीं बल्कि परमेश्वर के वचन द्वारा प्रकट किया गया है।

जैसे कि हम कलीसिया को नाम देते है, यह कुछ घबराहट के साथ होना चाहिये। हमारे सामने निर्विवाद प्रमाण के बावजूद, हमें आरोपित करने के लिये वो हमेशा तैयार रहेगे। अन्य लोग व्यक्तिगत पूर्वाग्रहको इस शानदार सच्चाई को लूटने की अनुमति देगें।

सच्चे अवशेष के भविष्यवाणी विवरण को पूरा करने वाली एक मात्र कलीसिया सातवें दिन का आगमनवादी कलीसिया है। 1844 के आस पास उठते हुये भाग्य के इस आंदोलन ने सत्य को बहाल करने का पूर्वानुमानित कर्यक्रम शुरू, किया जो अंधेरे युग के दौरान खो गये थे। मसीह और प्रारम्भिक कलीसिया को मूल सिद्धान्तों के एक के बाद एक अपने पूर्व चमक और सुन्दरता पर लौट आये। जैसा कि कानून और सब्त के अधिकार को फिर से स्थापित किया गया था, ईश्वर, ने वहीं किया जो उन्होंने करने का वादा किया था, उन्होंने अवशेष कलीसिया की सुन्दर आत्मा की निष्ठा बहाल की। यह उपहार श्रीमती एलेनजीव्हाइट के जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से प्रकट हुआ था। केवल एक व्याकरण स्कूली शिक्षा के साथ इस युवा महिला को विशेष प्रकाशितवाक्य प्राप्त हुआ जो छः दशकों से अधिक की अवधि में विस्तारित हुआ। उसकी प्रेरित कलम से सत्तर से अधिक पुस्तके निकाली गई। जिनमें से कई उच्चतम धर्मनिरपेक्ष आलोचकों द्वारा अतुलनीय गठन सामग्री के लिये प्रशासित थी।

यद्यपि नये आंदोलन को गति देने के लिये एक शक्तिशाली तरीके से परोपकारिता का उपहार परोसा गया, इसको केवल पवित्र शास्त्र के संप्रभु अधिकार के लिये एक ''कम रोशनी'' होने के लिये स्वीकार किया। ''आत्मा के आजमाने के लिये बाइबल के नियम के अनुरूप प्रत्येक अभिव्यक्ति को परमेश्वर के वचन द्वारा परखा जाना था।'' कानून और गवाही के लिये, यदि वे इस शब्द के अनुसार नहीं बोलते है तो इसका कारण यह है कि उनमें कोई

प्रकाश नही ंहै।'' (यशायाह 8:20) उनकी लेखनी हर लिहाज से बाइबल के अनुरूप नहीं होती तो उन्हें नकली के रूप में खारिज कर दिया जाता, लेकिन उन्होंने पवित्र शास्त्र के साथ सही समझौता किया। किसी भी तरह से वह नहीं रहे।

पवित्र शास्त्र को पवित्र सिद्धान्त का एक हिस्सा माना जाता है। हालांकि एक ही आत्मा से प्रेरित होकर, वे पवित्र लेख से न तो जुड़ते हैं और न ही निकलते हैं, लेकिन एक आवर्धक कांच की तरह वे शब्द की सुन्दरता और सच्चाई को सामने लाते हैं।

शायद सभी का सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि ईश्वर, के प्राण में उभरता हुई कलीसिया, प्रकाशितवाक्य 14 के बहुत ही सिद्धान्तो ंपर कैसे बस गया, यीशु और यहून्ना द्वारा निर्दिष्ट अंतिम संदेश के रूप में-इसके शिक्षण के दिल के रूप में। लेकिन तब एक और चमत्कार हुआ। 1860 में केवल कुछ सो सदस्यों वाला वह शिशु कलीसिया अपने अलोकप्रिय संदेश के साथ दुनिया के हर देश तक अपनी बात पहुँचा सका? फिर भी वही हुआ है। विश्व की लगभग 100 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाले देशों में सातवें दिन के एडवेंटिस्ट का काम स्थापित किया गया। और प्रकाशितवाक्य 14 के इन अनोखी सिद्धान्तों में से हर एक, जिसमें निर्णय, सब्त और पशु का संदेश शामिल है, उन राष्ट्रो ंको देखा जा रहाहै।

कई कलीसिया है जो पहचान के पहले बिन्दु पर योग्य हैं और कुछ हैं जो दूसरे के योग्य हैं, लेकिन यह एक विलक्षण तथ्य है कि केवल एक कलीसिया सभी चार बिन्दुओं पर पूरी तरह से खरा उतरता है। एक सादगी और तर्क के साथ जो मानवीय कारणों से

बिनती करता है, परमेश्वर ने हमें सभी सत्य का मार्गदर्शन करने का अपना वादा पूरा किया है। अगली चाल हमारे उपर होनी चाहिये। हम उन प्रेरक निष्कर्षो के बारे में क्या करेंगे जिनके कारण हमारा नेतृत्व किया गया है।

इस तरह की सच्चाई पर निर्णय लेने से कोई नहीं बच सकता। हम इसे स्वीकार करने या अस्वीकार करने का निर्णय ले सकते हैं। हम आज्ञा का पालन करना या अवज्ञाकरना चुनना है। लेकिन एक बात निश्चित है-आप फिर कभी एक नहीं हो सकते, चाहे आप कोई भी निर्णय ले। जब हम अनदेखा करने या इसे मिटाने की कोशिश करते हैं, तब भी विश्वास में हमारे साथ रहने का एक तरीका है। आप उन चीजों को कभी नहीं भूल सकते जो आपने सच्ची कलीसिया के बारे में सीखी है। अब आप पूरी बाईबल में सबसे अधिक वालेर हस्य के कब्जे में है।

मैं आपसे आग्रह करूंगा कि इसे स्वीकार करने का निर्णय न करे, क्योंकि इसने आपको बौद्धिक रूप से आस्वश्त किया है। किसी को भी कलीसिया में शामिल नहीं होना चाहिये, जो कि मसीह का शरीर है, जब तक कि उन्हें आध्यात्मिक रूप से यीशुके साथ रिश्ते में खीचा नहीं जाये।

सच्चे अवशेष की शानदार भविष्यवाणी के पीछे, मैं चाहता हूँ कि आप अपने स्थान पर क्रूस पर मर रहे परमेश्वर के मेम्ने को देखें। वह पाप के कारण वहाँ लटका हुआ है, क्योंकि किसी ने उसे इतना प्यार नहीं किया था कि वह उसका पालन करे। ''अगर मुझे प्यार करते हो तो मेरी आज्ञाओं को मानों'' (यहून्ना 14:15)।

हम उसकी आज्ञा का पालन जब तक नहीं कर सकते जब तक कि हम अपने टूटे हुये दिलो को लेकर, घुटनों पर टिककर अपने पापों को स्वीकार करके यीशु को अपना प्रभु को मुक्तिदाता न मानले। उसके लिये प्यार उसके वचन को पूरा करने के लिये मकसद और शक्ति दोनो को प्रदान करना है। यदि आपने उसे पहले से स्वीकार नहीं किया है, तो अपना पहला निर्णय ले, फिर उस नये प्रेम सम्बन्ध की ताकत तहत, सच्चे अवशेष कलीसिया के रूप में और सेवा में उसका पालन करे।

AMAZING FACTS

India

हमारी मुफ़्त बाइबिल अध्ययन
पाठ्यक्रम को ना चूकें।
aftv.in/bible-study/
!पर आज ही नामांकन करें

Post Box No. 51 • Banjara Hills
Hyderabad, TS 500034

www.AmazingFactsIndia.org